# दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

# दिगंत

**ई-पत्रिका:जुलाई-2023**

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

**Website** : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

**Office Email** : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

# दिगंत-ई-पत्रिका:जुलाई-2023

## संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

## मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

## सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

**प्रधान सम्पादक**

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

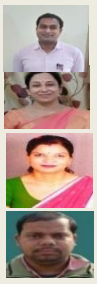

# कार्यक्रम विवरण-

| क्र.सं. | दिनांक एवं दिन | विभाग का नाम | कार्यक्रम का नाम | पेज नं. |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 18.07.2023 मंगलवार | महाविद्यालय | प्रवेश समिति बैठक | 3 |
| 2. | 19.07.2023 बुधवार | महाविद्यालय | प्राचार्य परिषद की बैठक | 3–4 |
| 3. | 21.07.2023 बुधवार | महाविद्यालय | शिक्षक सम्मान समारोह | 4 |
| 4. | 22.07.2023 वृहस्पतिवार | राष्ट्रीय सेवा योजना | पौधरोपण कार्यक्रम | 5 |
| 6. | 26.07.2023 बुधवार | रक्षाअध्ययन विभाग | विशिष्ट व्याख्यान | 6–7 |
| 7. | 29.07.2023 मंगलवार | प्राणि विज्ञान विभाग | ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान | 7 |

JULY-2023

## महाविद्यालय की प्रवेश समिति की बैठक

सत्र 2023–24 में प्रवेश हेतु महाविद्यालय की प्रवेश समिति की बैठक दिनांक 18.07.2023 को प्राचार्य कक्ष में सम्पन्न हुई। जिसमें प्रवेश समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सभी कक्षाओं में प्रवेश हेतु विभिन्न विन्दुओं पर विचार किया गया।

## महाविद्यालय में प्राचार्य परिषद की बैठक

दिनांक 19.07.2023 को विशेष सूचना के आधार पर दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अनुदानित महाविद्यालय के समस्त प्राचार्यों की बैठक महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में 12.30 बजे, प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव आये जिसमें प्राचार्य परिषद का भी गठन किया गया।

**सर्वसम्मत से प्राचार्य परिषद के निम्न पदाधिकारियों का चयन हुआ।**

| | | |
|---|---|---|
| **अध्यक्ष** | – | प्रो. शरत चन्द मिश्र |
| **उपाध्यक्ष** | – | प्रो. ममता मणि त्रिपाठी |
| | | प्रो. मंजू मिश्रा |
| **महामंत्री** | – | प्रो. ओम प्रकाश सिंह |

**संयुक्त मंत्री** – प्रो. अनिल कुमार सिंह

प्रो. मधुप कुमार

**कोषाध्यक्ष** – प्रो. बृजेश कुमार पाण्डेय

**मीडिया प्रभारी** – प्रो. अर्जुन मिश्रा

प्राचार्य परिषद के सभी सदस्यों ने कुलपति जी की अनुपस्थिति में दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव से मुलाकात कर कुलपति को संबोधित 13 समस्याओं युक्त मांग पत्र सौपा।

## इनोवेशन अवार्ड से महाविद्यालय शिक्षक सम्मानित

**दिनांक 21 जुलाई 2023** को महाविद्यालय के **दो शिक्षकों डॉ पवन कुमार पाण्डेय एवं डॉ हरीशंकर गुप्ता, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग** को आर.जे क्रिएटिव साउंड, गोरेगांव, मुंबई, महाराष्ट्र द्वारा आउटस्टैंडिंग इनोवेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। ये अवार्ड दोनो शिक्षकों को उनके द्वारा आर.जे. क्रियेटिव साउंड को एनीमेशन एवं मल्टीमीडिया में क्रिएटिव सहयोग के लिए दिया गया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर प्रो. (डॉ.) परीक्षित सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की हमारा कंप्यूटर विभाग हमेशा से ही क्रिएटिव रहा है और नैक तैयारी में निरंतर सहयोगकर्ता रहा है। महाविद्यालय नैक लक्ष्य 2026 के साथ कार्य कर रहा है।

## पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 22.07.2023 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा महाविद्यालय के कला संकाय में पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवमं स्वयं सेविकाएं को सबसे पहले वृक्षों की देखभाल करने के लिए एवं उनके महत्व को बताया गया तथा माननीय मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन भी किया। विद्यार्थियों को बताया गया कि विगत 06 वर्षों में प्रदेश में लगभग 137 करोड़ पौधारोपण किया जा चुका है। व्यापक जन सहयोग से प्रदेश में कुल हरित क्षेत्र में सतत वृद्धि हो रही है। 35 करोड़ पौधारोपण प्रतिवर्ष के लक्ष्य के साथ 5 वर्षों में 175 करोड़ पौधारोपण करना होगा।

## कारगिल संघर्ष और पाकिस्तान की रणनीति

**दिनांक 26 जुलाई 2023** को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में **'कारगिल विजय दिवस'** के अवसर पर **विशिष्ट व्याख्यान** का आयोजन किया गया। जिसमें **मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं**

**स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष 'प्रो. प्रदीप कुमार यादव'** थे। विशिष्ट व्याख्यान का विषय **''कारगिल संघर्ष और पाकिस्तान की रणनीति'' था।** विषय पर विस्तार से बताते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि कारगिल संघर्ष का पाकिस्तान के साथ मित्रता एवं अच्छे संबंधों को स्थापित करने के प्रयासों का परिणाम विश्वासघात के रूप में सामने आया था, जो पाकिस्तानी सेना और वहां की गुप्तचर एजेंसी आई.एस.आई. के षड्यंत्र द्वारा रचित था। कारगिल संघर्ष सिर्फ एक सीमित जगह पर ना लड़कर कारगिल के कई सेक्टरों में लड़ा गया था । जिसमें द्रास, बटालिक तथा कारगिल जैसे ऊंची क्षेत्र तथा पर्वत श्रृंखलाएं सम्मिलित थी। 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेनाओं ने कारगिल संघर्ष में विजय प्राप्त की। इस संघर्ष में बोफोर्स तोपों के भी महत्व को भी चिन्हित किया जिसने इस युद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

**अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने पाकिस्तान के शत्रुता पूर्ण व्यवहार पर ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि कारगिल संघर्ष से भारत की सुरक्षा में सेंध लगाया जबकि भारत ने हमेशा पाकिस्तान से मित्रता पूर्ण सम्बन्धों को स्थापित करने का प्रयास किया। **कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने किया तथा स्वागत विभागीय शिक्षक डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया ।**

## प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

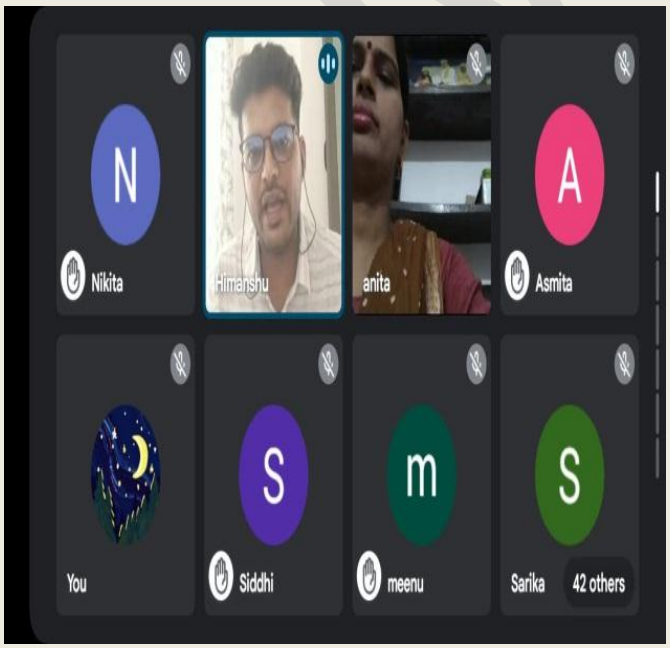


**दिनांक 29.08.2023 को प्राणि विज्ञान विभाग एवं जूलाजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में ''दी इण्टरनेशनल टाइगर डे'' (अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस) विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. सारिका सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रभारी प्राणि विज्ञान विभाग एस.एम. कॉलेज, टी.एम.वी.यू. इण्डिया** ने सरल और सारगर्भित तरीके से दी इण्टरनेशनल टाइगर डे के बारे में बी.एस.सी बायो के छात्र/छात्राओं को बताया। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस हर साल 29 जुलाई को विश्व स्तर पर मनाया जाता है जिसका उद्देश्य इस खूबसूरत और महत्वपूर्ण प्राणि के संरक्षण की ओर दुनिया भर का

ध्यान आकर्षित करना है। इसकी शुरुआत साल 2010 में हुई और इसका लक्ष्य 13 बाघ रेंज वाले देशों में जंगली बाघों की संख्या को दोगुना करना है। साल 2010 में एक सर्वे के अनुसार जंगली बाघों की संख्या में 95 प्रतिशत की कमी आई थी जो कि एक खतरे की घंटी है। बाघ खाद्य श्रृंखला में उच्च उपभोक्ता है जो अपने शिकार के द्वारा शाकाहारी जन्तुओं और वनस्पति के मध्य संतुलन बनाये रखने में मदद करता है। अतः बाघ संरक्षण का उद्देश्य केवल इस खूबसूरत प्राणि को बचाना ही नही हैं। यह इस बात को भी सुनिश्चित करता है कि हम अधिक से अधिक समय तक जीवित रहें कारण बाघ संरक्षण के फलस्वरूप हमें स्वच्छ हवा, पानी, परागण, तापमान विनियमन आदि पारिस्थितिक सेवाओं का लाभ मिलता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओमप्रकाश सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) परीक्षित सिंह, वनस्पति विज्ञान विभाग व आई.क्यू.ए.सी समन्वयक ने छात्र/छात्राओं का मागदर्शन किया। कार्यक्रम की संयोजक व संचालिका डॉ. अनिता कुमारी व उप संयोजक श्री हिमांशु यादव थें। कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग व रसायन विज्ञान विभाग के सभी प्राध्यापक गण व कर्मचारी गण का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

July-2023